total share and actual supply of power to Punjab from Central power projects under operation during the period April to December, 1986 is indicated below:

	Share	Actual Supply
	(MU)	(MU)
Bairsaiul . .	254·0	160·1
Singrauli . .	381·3	109·8

पारीछा ताप बिजली घर

592. **डा० गोविन्द दास रिछारिया :** क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि स्वीकृत योजना के अन्तर्गत झांसी के निकट पारीछा में स्थित ताप बिजलीघर में 440–440 मेगावाट के दो विद्युत एकक स्थापित किए जाने का विचार है; और

(ख) यदि हां, तो इन एककों से संबंधित कार्य कब तक शुरू किए जाने की संभावना है और उसका ब्यौरा क्या है?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी): (क) और (ख) उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड ने पारीछा में विद्यमान ताप विद्युत केन्द्र की विस्तार स्कीम के अन्तर्गत 210–210 मेगावाट की दो यूनिटें स्थापित करने का प्रस्ताव रखा था। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा तकनीकी-आर्थिक मूल्यांकन के लिए उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड से प्रस्तावित स्कीम की संशोधित व्यवहार्यता रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है।

विद्युत संयंत्रों का आधुनिकीकरण

593. **श्री नरेश सी० पुगलिया :** क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार इस समय देश में विद्युत का उत्पादन कर रहे एककों के आधुनिकीकरण पर कितनी धनराशि खर्च करने का विचार रखती है;

(ख) इस धनराशि में से कितनी धनराशि महाराष्ट्र राज्य के लिए निर्धारित की गयी है;

(ग) क्या महाराष्ट्र में ऐसी कोई परियोजनाएं हैं जो इस समय निर्माणाधीन हैं; और

(घ) यदि हां, तो ये परियोजनायें किन-किन स्थानों पर स्थित हैं और क्या इन परियोजनाओं के लिए कोई और धनराशि की स्वीकृति दी गई है?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी) : (क) ताप विद्युत केन्द्रों के नवीकरण और आधुनिकीकरण के लिए केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य बिजली बोर्डों/संगठनों को ऋण सहायता हेतु केन्द्र सरकार द्वारा 500 करोड़ रु० अनुमोदित किए गए हैं।

(ख) महाराष्ट्र के ताप विद्युत केन्द्रों के नवीकरण और आधुनिकीकरण के लिए केन्द्रीय सहायता के रूप में 29.60 करोड़ रु० की राशि प्रारक्षित की गई है।

(ग) और (घ) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कुल 1686.5 मेगावाट की परियोजनाएं चालू करने का कार्यक्रम है जिनका ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है। **(नीचे देखिए)** इसमें से चन्द्रपुर विस्तार तथा उरण गैस टर्बाइन की 852 मेगावाट की क्षमता चालू की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त पेंच जल विद्युत परियोजना (2×80 मेगावाट) भी क्रियान्वित की जा रही है जो कि महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की एक साझा परियोजना है। इस परियोजना की एक यूनिट चालू की जा चुकी है।

विवरण

महाराष्ट्र में सातवीं योजना में चालू की जाने वाली विद्युत परियोजनाओं का कार्यक्रम

परियोजना का नाम	यूनिट की संख्या तथा इसका आकार (मेगावाट)	कुल क्षमता (मेगावाट)
जल विद्युत		
1. भीरा टेलरेस	2×40	80
2. तिल्लारी	1×60	60
3. भण्डारधारा	1×10	10
4. खडगवासला	2×8	16
5. पथाना	1×10	10
6. भात्सा	1×15	15
7. वैतरणा डी० टी०	1×1.5	1.5
8. उजानी पम्प स्टोरेज	1×12	12
ताप विद्युत		
1. चन्द्रपुर विस्तार	2×210	420 चालू कर दी गई है ।
2. खापरखेडा विस्तार	2×210	420
3. पारली यूनिट—5	1×210	210
4. उरण गैस टर्बाइन	4×108	432 चालू कर दी गई है ।
जोड़:		1686.5

Western Coalfields Projects

594. SHRI V. NARAYANASAMY: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether Government have taken any step in pursuance of the report submitted by the Comptroller and Auditor General of India stating that there were delays in completion of the Western Coalfields projects and stagnation is percolating;

(b) if so, what steps have been taken by Government to complete the projects in time and increase the production; and

(c) if the answer to part (a) above be in negative, what are the reasons there?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI VASANT SATHE): (a) In the report of the Comptroller and Auditor General of India—Union Government (Commercial) —1985 Part VI on Western Coalfields Limited, among other things certain observations have been made regarding delay in completion of projects. Coal India Limited/Western Coalfields Limited have been asked to study the report and take action on the various points, including delay in completion of projects.

(b) *PROJECT MANAGEMENT*

(i) For each of the project under implementation in the subsidiaries of Coal India Limited, the Project Management Organisation has been set up entirely devoted to the task of construction of the project. Each of the major project is headed by an officer of General Manager rank (E-7, E-8, E-9) who is assisted by adequate supporting personnel from engineers,